विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण दिनांक 5 जुलाई 2020

वर्ग अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डे

संधि -प्रकरण

दो या दो से अधिक वर्नों के अत्यंत समीप होने पर उनके मेल से जो परिवर्तन होता है उसे 'संधि' कहते हैं।

संधि के प्रकार

स्वर संधि

व्यंजन संधि

विसर्ग संधि

स्वर संधि

जब दो स्वरों के मेल से कोई परिवर्तन होता है तो उसे स्वर संधि कहते हैं स्वर संधि के प्रमुख आठ भेद हैं।

1 दीर्घ संधि

2 गुण संधि

3 वृद्धि सन्धि

4 यण संधि

5 अयादि संधि

6 पूर्व रूप संधि

7 पर रूप संधि

8 प्रकृतिभाव संधि

दीर्घ संधि -दीर्घ का शाब्दिक अर्थ है बड़ा। दीर्घ-सन्धि के नियमानुसार दो सजातीय स्वरों के मिलने पर उन दोनों के स्थान पर दीर्घ हो जाता है अर्थात ह्रस्व या दीर्घ अ,इ,उ,ऋ के बाद यदि क्रमशःह्रस्व या दीर्घ अ,इ,उ,या ऋ आएँ, तो दोनों मिलकर दीर्घ हो जाता है।

अ/आ+अ/आ=आ

परम+अर्थः=परमार्थः(अ+आ)

प्रश्न दीर्घ संधि का 5 उदाहरण दें?